उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून

E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 06 जनवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–05(01/19)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत से शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में देर सायं उत्तरांचल प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों ने शिष्टचार भेंट की। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने कार्यकारिणी के सदस्यों को बधाई व शुभकामनाएं दी।

प्रेस क्लब कार्यकारिणी के सदस्यों ने मुख्यमंत्री को प्रेस क्लब भवन निर्माण सहित पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर अध्यक्ष श्री भूपेंद्र कण्डारी, उपाध्यक्ष श्री दीपक उपाध्याय, संप्रेक्षक श्री मंगेश कुमार, पदेन सदस्य श्री नवीन थलेडी, श्री विनोद पुण्डीर, श्री दरमान सिंह आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग।

देहरादून 06 जनवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–04(01/18)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को कैंट रोड स्थित सेना की ईको टास्ट फोर्स के कार्यालय तथा नर्सरी का भ्रमण किया। उन्होंने नर्सरी मे पैदा की जा रही विभिन्न प्रजातियों के पौधों का अवलोकन किया। उन्होंने इस अवसर पर ईको टास्क फोर्स के परिसर में ही अर्जुन के पौधे का भी रोपण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना की इको टास्क फोर्स का वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण सरंक्षण में बड़ा योगदान हैं। उन्होंने प्रदेश में 02 इकोलॉजिकल कम्पनी खोले जाने की भी बात कही। इस कम्पनी में 200 पूर्व सैनिकों को सेवायोजित कर रोजगार उपलब्ध हो सकेगा तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किये जा रहे प्रयासों को और अधिक गति मिल सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने इको टास्क फोर्स से एसी प्रजाति के फलदार वृक्षों को पर्वतीय क्षेत्रों में लगाये जाने की अपेक्षा जो स्थानीय लोगों की आर्थिकी को मजबती प्रदान कर पलायन रोकने में मददगार बन सके। उन्होंने ऐसे पौधों की नर्सरी भी तैयार करने को कहा, जिससे जंगली जानवरों को जंगल में ही चारा व भोजन मिल सके ताकि जंगली जानवरों से खेती को हो रहे नुकसान को कम किया जा सके। मुख्यमंत्री ने इको टास्क फोर्स से रिस्पना व बिन्दाल के पुनर्जीवीकरण में भी योगदान की अपेक्षा की। मुख्यमंत्री के साथ कैबिनेट मंत्री श्री प्रकाश पंत भी थे।

इको टास्क फोर्स के कर्नल एच.डी.एस.राणा ने बताया कि इको टास्क फोर्स द्वारा नमामि गंगे योजना के अन्तर्गत 08 लाख वृक्षों का रोपण किया गया है तथा उत्तरखण्ड के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उनके द्वारा प्रभावी प्रयास किये जा रहे है।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग।

देहरादून 06 जनवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–03(01/17)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के समक्ष हंस फाउण्डेशन द्वारा शनिवार को मुख्यमंत्री आवास में शिंवश खाद बनाने एवं उसके प्रयोग से खेती को होने वाले फायदे से सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने शिंवश खाद बनाने की विधि को सरल एवं कम समय में तैयार होने वाली देसी खाद बताया। उन्होंने कहा कि देसी विधि से खाद तैयार करने से किसानों की खेती के लिये यूरिया एवं महगें रसायनों की निर्भरता कम होगी तथा पानी की भी खपत कम होगी। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि शिवंश खाद बनाने के लिए कृषकों को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषकों को खेती के आधुनिक तरीकों के प्रयोग के लिए भी जागरूक किया जाना जरूरी है। कृषकों को उत्पादकता बढ़ाने के लिए अधिक पैदावार वाली किस्मों की जानकारी एवं जैविक कृषि को बढ़ावा दिये जाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाए।

हंस फाउण्डेशन के प्रतिनिधि ने जानकारी दी कि शिवंश खाद 18 दिन में बनकर तैयार हो जाती है। इस खाद को किसान स्वयं तैयार कर आमदनी को 10 गुना तक बढ़ा सकते हैं। इस जैवीय खाद का प्रयोग कर कृषि उपज में 15 से 40 प्रतिशत तक की वृद्धि की जा सकती है। इस खाद का प्रयोग करने में सिंचाई के लिए कम पानी की आवश्यकता पड़ती है। इस खाद को बनाने के लिए तीन प्रकार की सामग्री की आवश्यकता है। जिसमें सूखी, हरी पत्तिया आदि एवं गोबर के सही अनुपात में मिश्रण से यह खाद बनाई जाती है। इस खाद में फसलों के लिये सभी आवश्यक पोषण तत्व मिल सकते हैं।

प्रस्तुतिकरण के दौरान कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों को शिवंश खाद के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, ताकि इस खाद को बनाने की विधियों की तकनीकि कृषिकों को उपलब्ध करा सके।

इस अवसर पर कृषि मंत्री श्री सुबोध उनियाल, अपर सचिव डॉ.मेहरबान सिंह बिष्ट, कृषि निदेशक श्री गौरी शंकर, हंस फाउण्डेशन के श्री ललित कुमार अधिकारी, श्री विनोद कुमार एवं सभी जनपदों के मुख्य कृषि अधिकारी एवं उद्यान अधिकारी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग।

देहरादून 06 जनवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(01/16)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मुख्यमंत्री आवास में शनिवार को गोरखा समाज के प्रतिनिधिमण्डल ने भेंट की। गोरखा समाज द्वारा गोरखा मिलिट्री स्कूल की लीज खत्म होने की समस्या से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने इस समस्या के समाधान के लिए रक्षा मंत्रालय को पत्र लिखकर समाधान करने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतला देवी मन्दिर को उसके ऐतिहासिक महत्व के दृष्टिगत विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने गोरखा समाज से इस मंदिर का धार्मिक एवं तीर्थाटन के रूप में विकसित किये जाने के लिए सहयोग की अपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि संतला देवी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में जन जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने संतला देवी मन्दिर की पवित्रता बनाए रखने की भी अपेक्षा की है। गोरखा समाज द्वारा इस सम्बन्ध में पूर्ण सहयोग का मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री गणेश जोशी, गोरखा प्रकोष्ठ संयोजक श्री टी.डी. भूटिया, गोर्खाली सुधार सभा के अध्यक्ष श्री पदम सिंह थापा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री राजन क्षेत्री, महामंत्री श्री गोपाल क्षेत्री, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती संध्या थापा आदि उपस्थित थे।

देहरादून 06 जनवरी, 2018(सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(01/15)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने शनिवार को मुख्यमंत्री आवास से 35 सदस्यीय साहसिक पर्यटक दल को बद्रीनाथ के लिए हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रवाना की गई इस टीम में 04 महिलाएं भी शामिल हैं। 15 बाइक एवं 05 कारों से रवाना हुए इस दल में गुजरात, दिल्ली, कर्नाटक, हरियाणा, चण्डीगढ़ एवं तमिलनाडू के साहसिक पर्यटक हैं, जो बद्रीनाथ एवं उसके आस पास के बर्फीले क्षेत्रों में बाइक एव कारों से भ्रमण करेंगे। 05 दिवसीय भ्रमण पर गया यह दल 10 जनवरी 2018 को वापस देहरादून लौटेगा।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उत्तराखण्ड में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने और नौजवानों को पर्यटन के लिए आकर्षित करने के लिए Where eagles dare grup badrinath को रवाना किया गया है। उन्होंने कहा कि जब भी शीतकालीन खेलों की बात आती है तो लोगों का ध्यान सबसे पहले उत्तराखण्ड पर जाता है। उत्तराखण्ड शांति, सुरक्षा एवं प्राकृतिक सौन्दर्य की दृष्टि से भारत के सर्वश्रेष्ठ स्थानों में है। उन्होंने कहा कि औली में इस माह आयोजित होने वाले फेडरेशन ऑफ इण्टरनेशनल स्कीइंग रेस के लिए तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि इस रेस के आयोजन के लिए औली का मौसम अनुकूल रहेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन की उत्तराखण्ड में अपार संभावनाएं हैं। राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एडवेंचर टूरिज्म, होम स्टे को विकसित करने पर राज्य सरकार विशेष बल दे रही है। 13 डिस्ट्रिक्ट 13 न्यू डेस्टिनेशन, टिहरी झील व आस पास के क्षेत्रों को साहसिक पर्यटक हब के रूप में विकसित किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उत्तराखण्ड में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में पर्यटकों का आकर्षित करने के लिए संस्कृति ग्राम व गामीण पर्यटन की सरकार की योजनाएं कारगर साबित हो सकती हैं।

इस अवसर पर अपर सचिव श्री आशीष श्रीवास्तव एवं मुख्यमंत्री के विशेष कार्याधिकारी श्री धीरेन्द्र पंवार भी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग।